जिला कोर्ट समाचार / पुलिस कांस्टेबल पत्नी की हत्या कर लाश रानीबाग पुलिया में छुपाने का मामला

हत्या के आरोपी फौजी पति की जमानत अर्जी खारिज

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

नैनीताल। जिला सत्र न्यायाधीश कुमकुम रानी की अदालत ने अपने दोस्त के साथ मिलकर प्रेमिका की खातिर उत्तर प्रदेश में तैनात पुलिस कांस्टेबल पत्नी की हत्या करने के आरोपी फौजी पति की जमानत अर्जी खारिज कर दी। उक्त आरोपी व उसके दोस्त को पुलिस ने पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इनके खिलाफ बिजनौर निवासी मृतका के पिता ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

अभियोजन पक्ष के शासकीय अधिवक्ता सुशील शर्मा के मुताबिक इसी वर्ष तीन अगस्त 2017 को जिला बिजनौर नधना थाना शेरकोट निवासी रमेश चन्द्र पुत्र शुक्कन लाल ने हल्द्वानी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुये बताया कि उसकी पुत्री निशी देवी उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल थी जिसकी शादी भारतीय सेना में कार्यरत मुरादाबाद बिलारी निवासी अनिल कुमार सैनी के साथ ढाई साल पहले हुई थी। वह सेना के हल्द्वानी कैंप में तैनात है।

अगस्त माह में निशी देवी कुछ दिन छुट्टी पर हल्द्वानी अपने पति के पास आई थी। दो अगस्त की सायं निशी गायब हो गई जिसकी सूचना आरोपी अनिल ने अपने ससुरालियों को दी। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दो अगस्त की सायं अनिल सैनी अपने दोस्त चंद्र कुमार पुत्र चिरंजी लाल निवासी मुढापांडे मुरादाबाद के साथ आर्मी कैंप गेट से एक बाइक से बाहर निकले जिनके पास भारी सामान रखा था और उस दिन वह वापस नहीं लौटे। छह अगस्त को रानीबाग पुलिया में एक महिला की लाश बरामद हुई जिसकी शिनाख्त निशी देवी के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी फौजी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया तथा बताया कि उसके एक महिला के साथ संबंध थे जिस कारण उनके बीच हमेशा झगड़ा होता था।

दो अगस्त की सायं उसने अपने दोस्त चंद्र कुमार के साथ मिलकर अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी और रानीबाग स्थित पुलिया में शव छुपा दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 व 202 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को जिला जज कुमकुम रानी की अदालत में जमानत की अर्जी सुनवाई को पेश हुई जिसका जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील शर्मा ने विरोध करते हुये कहा कि भारतीय सेना में तैनात जवान की इस तरह की हरकतें व अपराध क्षम्य नहीं हैं लिहाजा उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिये। इसी आधार पर आरोपियों की अदालत ने जमानत अर्जी खारिज कर दी।

माओवादी चमियाल को पांच दिन की पुलिस रिमांड

नैनीताल। माओवादी गतिविधियों को संचालित करने के जुर्म में गिरफ्तार देवेन्द्र चमियाल को पांच दिन की पुलिस रिमांड में सौंप दिया गया है। पुलिस देवेन्द्र चमियाल को उन स्थानों पर ले जायेगी जहां से वह माआवादी गतिविधियों को अंजाम देता था। उसकी महिला साथी भगवती भोज नारी निकेतन हल्द्वानी में है। पुलिस को धारी, बागेश्वर व सोमेश्वर में पर्चे चस्पा करने में देवेन्द्र का ही हाथ होने का अंदेशा है। मंगलवार को हल्द्वानी पुलिस देवेन्द्र चमियाल को पुलिस रिमांड में लेने के लिये मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नैनीताल नंदन सिंह राणा की अदालत में लाई थी। सीजीएम ने आरोपी को पुलिस रिमांड में देने की अपील स्वीकार कर ली। रिमांड लेने के बाद मंगलवार को पुलिस आरोपी देवेन्द्र चमियाल को भवाली ले गई जहां उससे कई मामलों में पूछताछ की गई। भवाली पुलिस भी माओवादियों की तलाश कर रही है। मालूम हो कि पुलिस को छह माह पूर्व धारी में तहसीलदार की जीप फूंकने, वहां माओवादी पर्चे चिपकाने सहित अल्मोड़ा, बागेश्वर में माओवादी गतिविधियां संचालित करने में देवेन्द्र चमियाल का हाथ होने का अंदेशा है।

गौलापार के जगतपुर से पकड़ा अजगर

अजगर को पकड़े वन दरोगा

संवाददाता
@dainikuttaranchaldeep.com

हल्द्वानी। गौलापार के जगतपुर गांव में अजगर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। सूचना पर तराई पूर्वी वन प्रभाग की टीम मौके पर पहुंची। खासी मशक्कत के बाद अजगर को पकड़ लिया गया।

जगतपुर निवासी महेश पाठक के घर के पास खेत में मंगलवार पूर्वाह्न अजगर दिखाई दिया। इस बीच अजगर को देखने के लिए वहां लोगों का जमावड़ा भी लग गया।

सूचना पर गौला रेंज के वन दरोगा शांति प्रसाद टम्टा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने अजगर को पकड़ा और बाद में उसे जंगल छोड़ दिया गया। टीम में डीके हर्बोला, कालू सिंह आदि शामिल थे।

अवैध खनन में दो टिप्पर पकड़े

हल्द्वानी। वन विभाग की टीम ने अवैध खनन के मामले में दो टिप्पर पकड़कर सीज कर दिये। तराई पूर्वी वन प्रभाग के गौला रेंज की टीम ने मंगलवार को दोपहर में गौलापार गोविंद ग्राम में छापेमारी की। इस दौरान टिप्पर यूके04सीए-0298 अवैध उपखनिज से भरा मिला। वहीं अपराह्न में गौला बैराज पर टिप्पर यूके04डी-3971 अवैध खनन में लिप्त मिला। दोनों वाहनों को सीज कर दिया गया है। टीम में सुनील गैरोला, देवी प्रसाद बडोला, अमर सिंह बिष्ट, संजय कुमार, जयदीप जोशी, गोपाल संभल शामिल थे।

हल्द्वानी में वेदान्ता नेत्र चिकित्सालय का शुभारंभ

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

हल्द्वानी। कुमाऊं के अत्याधुनिक सुविधायुक्त नेत्र चिकित्सालय वेदान्ता नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन किया गया। यह उद्घाटन नैब संस्था के बच्चों द्वारा किया गया। कैनाल रोड स्थित वेदान्ता नेत्रालय के वरिष्ठ सर्जन डा. समीर वर्मा ने इस मौके पर कहा कि यह हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि नैब के बच्चों ने अपना अमूल्य समय देकर इस नेत्रालय का उद्घाटन किया। कहा कि इस चिकित्सालय का यही उद्देश्य है कि हम न्यूनतम मूल्यों पर उच्च तकनीक से लोगों की आंखों का इलाज कर सकें। कहा कि हमारे प्रयास में डा. आरजेके सिंह, डा. समीर वर्मा एवं देवेन्द्र त्यागी का योगदान है। बताया कि यह कुमाऊं का अकेला ऐसा अस्पताल है जिसमें मॉडलर आप्रेशन थियेटर है। जिसमें रेटिना, मोतियाबंद एवं बच्चों के अन्य नेत्र विकारों का इलाज अत्याधुनिक सुविधाओं से किया जायेगा।

नगर पंचायत के कार्यों की जांच शुरू

नगर पंचायत में सड़क का निरीक्षण करती टीम।

कालाढूंगी। नगर पंचायत क्षेत्र में हुए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता ठीक न होने की शिकायत के बाद एसडीएम अशोक जोशी की देखरेख व तहसीलदार महेश चंद्र थुवाल की अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी ने मंगलवार को नगर में हुए सड़क आदि कई निर्माण कार्यों की जांच की। जांच के दौरान वार्डों में कई अच्छी सड़कों पर टाइल्स बिछा देने का मामला सामने आया।

टाइलों को हटाकर देखा गया तो उसके नीचे काफी अच्छी स्थिति में सीसी सड़कें पाई गईं। वार्डों में यहां के कई लोगों द्वारा भी सड़कों पर टाइल्स बिछा देने का विरोध किया गया था। इसी के साथ अभी वर्ष भर पहले ही बनी कई सीसी सड़कों में भी अनियमितता पाई गई जो सड़कें समय से पहले ही उखड़ने लगीं तो सड़क मानकों में भी खामियां मिलीं जिनमें मानक के विपरीत स्थानीय नदी नालों का रेता बजरी प्रयोग में लाया गया है। वहीं वार्ड तीन में एक व्यापारी की दुकान के आगे बने पार्क की सत्यता को भी जांच दल ने मौके पर जाकर देखा। वार्ड छह में पंडित दीन दयाल पार्क में दो लाख से मरम्मत कार्य किया गया व कुर्सियां लगी पर मौके से कुर्सियां नहीं मिली। इसी के साथ कई लोगों के निजी आवासों में नगर पंचायत मद से सीसी व टाइल्स फर्श किया जाना भी पाया गया। वार्ड नम्बर एक छोटी हल्द्वानी में सीसी सड़क पर लगभग 22 लाख की टाइल्स बिछा दी गई जिनमें कुछ पुरानी टाइल्स व पुरानी ईंटें भी लगी हैं। इस दौरान जांच कमेटी सदस्य राजस्व निरीक्षक जीवन चंद्र जोशी, युवा कल्याण अधिकारी डीएन कांडपाल, आरडब्लूडी अभियंता शमशाद खान, अधिशासी अधिकारी प्रतिभा कोहली, वरिष्ठ लिपिक मो. इस्लाम, लिपिक भूपाल बोरा, शिकायतकर्ता मुस्तजर फारूकी आदि उपस्थित थे। इधर शिकायतकर्ता फारूकी ने कहा कि जांच में कोई लापरवाही बरती गई तो उक्त मामले को लेकर वह कोर्ट तक जाएंगे। जांच कमेटी सदस्य डीएन कांडपाल ने बताया कि जांच चल रही है अभी कुछ भी कहना संभव नहीं है। हां कुछ जगह अनियमितताएं सामने आई हैं। कार्यों के हिसाब से स्टीमेट व फाइलें देखी जा रही हैं उसके बाद जांच तहसीलदार को सौंप दी जाएगी। इधर अधिशासी अधिकारी प्रतिभा कोहली ने कहा कि वह अभी नयी आयी हैं। जांच कमेटी के साथ निरीक्षण किया गया। काम गलत व स्टीमेट से अधिक पाए गए तो ठेकेदार से वसूली की जाएगी।

भगवान ने किया अहंकारी बाली का वध

संवाददाता
@dainikuttaranchaldeep.com

हल्द्वानी। रामलीला मैदान में चल रही दिन की रामलीला में अब दर्शकों की संख्या बढ़ने लगी है और रामभक्त दर्शक लीला का पूरा आनंद ले रहे हैं। सीता हरण करने के बाद रावण द्वारा सीता को अशोक वाटिका में रख दिया जाता है। उधर राम एवं लक्ष्मण सीता की खोज में निकल पड़ते हैं। रास्ते में शबरी वर्षों से प्रभु के दर्शन को उनका इंतजार कर रही है, भगवान राम शबरी के बेरों का आनंद लेकर आगे बढ़ते हैं।

आगे बढ़ने पर हनुमान उनका रास्ता रोकते हैं और परिचय प्राप्त कर राम के चरणों में नतमस्तक हो जाते हैं। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को सुग्रीव के पास ले जाते हैं, जहां पर सुग्रीव की व्यथा सुनने के बाद वह उसे बाली के पास युद्ध के लिए भेजते हैं जहां बाली का वध कर सुग्रीव को राजपाठ सौंपकर सीता की खोज की बात कहते हैं। पवनसुत हनुमान को यह काम सौंपा जाता है। हनुमान जी सीता की खोज में निकल पड़ते हैं तथा समुन्द्र को लांघ कर लंका पहुंचते हैं। अशोक वाटिका में माता सीता से मिलकर उनकी कुशल छेम पूछते हैं। सीता मां की आज्ञा पाकर वह अशोक वाटिका को तहस-नहस कर डालते हैं।

उन्हें पकड़ कर रावण के दरबार में लाया जाता है, रावण द्वारा उनकी पूंछ में आग लगवा दी जाती है तो हनुमान लंका दहन कर वापस प्रभु राम के पास पहुंचते हैं और माता सीता का समाचार देते हैं। लंका दहन के साथ ही पूरा मैदान जय श्री राम के नारों से गुंजायमान हो उठा। रामसेवा में केसरवानी महिला समिति व केसरवानी वैश्य समिति ने अपनी सेवा दी।

लीला का आनंद लेने के लिये वित्त मंत्री प्रकाश पंत, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, युवा मोर्चा प्रदेश सचिव सचिन साह, हरिमोहन अरोरा भी पहुंचे और प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लिया। रात्रि की लीला में बृन्दावन से आये कलाकारों द्वारा अपने जीवंत अभिनय से दर्शकों को भावविभोर किया जा रहा है।

ऑटोमोबाइल्स इंडस्ट्री में फिर आयेगा उछाल

CHEVROLET

बाजार

- सिद्धबली शेवरले ने की मंगलवार को 10 गाड़ियों की डिलीवरी

हल्द्वानी। जीएसटी लागू होने के बाद ऑटोमोबाइल्स इंडस्ट्री में गिरावट आयी थी लेकिन अब व्यापारियों का कहना है कि नवरात्र तथा आने वाले दीपावली त्योहार पर वाहनों के बाजार में उछाल आने की पूरी संभावना है।

सिद्धबली ऑटोमोबाइल्स के जनरल मैनेजर पीयूष बत्रा ने बताया कि चौथे नवरात्र तक भारी बारिश के कारण जनसम्पर्क टूटने की वजह से वाहनों की सेल पर असर दिखाई दे रहा था अब मौसम साफ होते ही ग्राहक वापसी कर रहा है जो कि बाजार के लिये अच्छा संदेश है। उन्होंने कहा कि त्योहार को देखते हुये ऑटोमोबाइल्स इंडस्ट्री में जीएसटी के बाद लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके बाजवूद सिद्धबली शेवरले ने मंगलवार को 10 गाड़ियों की डिलीवरी करके नवरात्रों की शुरुआत की है। कहा कि पूरी संभावना है कि बाकी बचे नवरात्रों के दिन तथा दिवाली में ग्राहक जोर-शोर से खरीददारी के लिये आयेंगे। उन्होंने कहा कि शेवरले की गाड़ियों की अधिक जानकारी के लिये 7409100928 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

वृक्ष लगाएं पृथ्वी बचाएं

उच्च शिक्षा निदेशालय का हाल/ आंकड़ों के मकड़जाल तक सीमित उच्च शिक्षा निदेशालय

यूजीसी के मानकों से परे हैं राज्य के महाविद्यालय

त्रिभुवन बाली
@ dainikuttaranchaldeep.com

हल्द्वानी। आगामी नौ नवम्बर को राज्य भले ही अपनी सत्रहवीं सालगिरह मनाने जा रहा है, किन्तु इन बीते सालों से अब तक प्रदेशभर के युवाओं को उच्च शिक्षा की आधी अधूरी वैकल्पिक व्यवस्था से ही जूझना पड़ रहा है। यहां यह बताना जरूरी है कि जन सैलाब की जिन मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति को लेकर राज्य का गठन किया गया था उन्हें सत्तारूढ़ होते ही राजनैतिक दलों ने ठंडे बस्ते में डाल दिया जिसके परिणाम स्वरूप आज भी पर्वतीय क्षेत्रों से युवाओं का पलायन जारी है। उल्लेखनीय है कि पृथक राज्य की मांग के पीछे शिक्षा व रोजगार ही पलायन का मुख्य बिन्दु माने जाते रहे, किन्तु दुर्भाग्य है कि राज्य अपनी जवानी की दहलीज तक पहुंचने के बावजूद अनेक विषयों के बैकलाग कार्यों की समीक्षा में ही जिम्मेदार विभाग विफल रहे हैं। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद महिला महाविद्यालय हल्द्वानी से निकलकर गौलापार पहुंचा उच्च शिक्षा निदेशालय आज भी पिछली सरकार की उपलब्धियों के आंकड़े ही दुरुस्त करने में जुटा हुआ है। बताते चलें कि सत्तारूढ़ रहने के पूर्वानुमान के चलते पिछली कांग्रेस सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों, जूनियर हाईस्कूलों व निजी भवनों तक में सौ का आंकड़ा छूने के मकसद से महाविद्यालयों की झड़ी लगा दी थी, जिनके पास आज तक स्वयं की भूमि कहां से आयेगी यही तय नहीं हो पाया है। जो महाविद्यालय संचालित हैं उनमें या तो पाठ्यक्रमों का टोटा है या फिर स्वीकृत पदों के सापेक्ष प्रवक्ताओं का अभाव है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह रही कि अनेक महाविद्यालयों में बदहाली आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई है और स्थिति सुधार की बजाय अधिकांशतः राजनैतिक करियर बनाने को ही महाविद्यालयों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि लगभग सभी महाविद्यालयों में यूजीसी के मानकों व लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों को प्रति वर्ष खुलेआम दरकिनार किया जाता रहा है। हालांकि उच्च शिक्षा निदेशालय के अधिकारी अपने पूर्व अधिकारियों पर ही लांछन थोप बताते हैं कि वर्तमान में 46 वैकल्पिक व्यवस्थाओं के अधीन चल रहे महाविद्यालयों में से दस को स्वयं की भूमि पर भवन उपलब्ध करा दिया गया है। जबकि अन्य महाविद्यालयों की भी गंभीरता से सुध लेकर प्रयास जारी हैं।

एमए योग क्लास की मांग सिर्फ चुनावी मंशा

हल्द्वानी। बाजपुर व रामनगर महाविद्यालयों में एमए योग कक्षाएं खोले जाने की मांग के संदर्भ में पूछे जाने पर निदेशक बीसी मेलकानी ने बताया कि जो योग कक्षाएं वर्तमान में संचालित हैं उन्हीं को लेकर यूजीसी के सभी मानक पूरे किये जाने संभव नहीं हो सके हैं। ऐसे में एमए योग कक्षा की मांग सिर्फ राजनीति महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिये ही कही जा सकती है ताकि वे छात्र कालेज का चुनाव लड़ सकें।